वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान में मनाये गये हिन्दी दिवस समारोह की रिपोर्ट

वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बत्तूर राजभाषा के प्रचार-प्रसार के लिये निरन्तर प्रयास करती आ रही है। राजभाषा के प्रयोग में निरन्तरता लाने के लिये सभी कर्मचारियों को फायलों में राजभाषा का प्रयोग करने का निर्देश दिया गया है और फायलों में प्रयोग किये जाने वाले द्विभाषिक टिप्पणियों की सूची सभी कर्मचारियों को दी गई। संस्था में नियमित रूप से राजभाषा कार्यान्वयन समिति का आयोजन किया जाता है एवं नराकास, कोयम्बत्तूर की बैठकों में संस्था की नियमित भागीदारी रहती है।

वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बत्तूर में हिन्दी दिवस पर हिन्दी पखवाडा 20-27 सितम्बर तक मनाया गया। इस सिलसिले में *सारांश साफ्टवेयर की सहायता से हिन्दी टंकण प्रतियोगिता, प्रशासनिक शब्दावली प्रतियोगित। निबन्ध लेखन प्रतियोगिता, हिन्दी वक्तृत्व प्रतियोगिता आदि* प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं में सभी अधिकारियों, वैज्ञानिकों एवं कर्मचारियों ने उमंग-उत्साह से भाग लिया। हिन्दी दिवस पखवाडा का समापन समरोह 27 सितम्बर 2013 को मनाया गया। इस समारोह में सभी ने हर्षोल्लास से भाग लिया।

इस कार्यक्रम में आयकर विभाग, कोयम्बत्तूर के आयकर आयुक्त श्री डी.बि.मणिवाल राजू,IRS जी मुख्य अथिति के रूप में पधारे। इस कार्यक्रम में सर्वप्रथम डाँ.बी.गुरुदेव सिंह, हिन्दी समिति के अध्यक्ष ने सभी का स्वागत किया। उसके बाद डाँ.वि.कु.वा.बाचपई, हिन्दी नोडल अधिकारी ने सभी के समक्ष हिन्दी वार्षिक रिपोर्ट पेश किया। उसके बाद श्री आर.एस.प्रशांत,भ.व.से., विभागीय प्रमुख ने हिन्दी के महत्व पर सुन्दर भाषण प्रस्तुत किया। उस भाषण में उन्होंने कहा कि हिन्दी को ही राजभाषा क्यों और कब बनाया गया? हिन्दी को ही अधिक महत्व क्यों दिया जा रहा है? इसका कारण बताते हुए कहा कि हिन्दी के प्रयोग में सभी को ध्यान देना चाहिए। उसके बाद समूह सामान्य सहायक के द्वारा अध्यक्षीय भाषण प्रस्तुत किया गया जिसमें उन्होंने जीवन में हिन्दी एवं अन्य भाषाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर सुन्दर भाषण दिये।

हिन्दी दिवस मनाने का मुख्य उध्देश्य राजभाषा के प्रति लोगों की रूचि बढाना और उसके महत्व के प्रति जागृत करना ही है। इसी उध्देश्य से हमारे कुछ कर्मचारियों ने भी मंच पर आकर हिन्दी में भाषण दिये जिसमें हिन्दी को बढावा देने के लिये अनेक सुझाव दिये।

प्रतियोगिताओं में विजय हुए विजेताओं को मुख्य अथिति ने पुरस्कार देकर उन्हें सम्मानित किया और प्रोत्साहित भी किया। उसके बाद मुख्य अथिति ने अपने कमल वचनों से सभी को हिन्दी के महत्व का ज्ञान कराया और हिन्दी के कार्यान्वयन को और आगे बढाने के लिये सभी को प्रोत्साहित करने के साथ आगे बढने की शुभ कामनाएँ भी दी। अन्त में श्रीमती पूंगोदै कृष्णन, हिन्दी अनुवादक ने सभी को धन्यवाद देकर इस कार्यक्रम को सफल रीति से सम्पन्न किया।

सभी का स्वागत करते हुए

हिन्दी वार्षिक रिपोर्ट पढते हुए

श्री प्रशांत,भा.व.से का भाषण

श्री टी.पी.रघुनाथ,भा.व.से का भाषण

कर्मचारियों के द्वारा भाषण

पुरस्कार देते हुए

मुख्य अतिथि का भाषण

मुख्य अथिति को मोमेन्टो देते हुए

हिन्दी दिवस समारोह में सभा उपस्थित अधिकारियाँ एवं कर्मचारियाँ